

18/6/2015

पत्रावली राज राजा स्व लोक अदालत  
अदालत सेवा सेत्र गुरुप कचरावला  
पर पुस्तक दुकी पाठ्य वं डी  
व पुस्तकीगण उपस्थित दोनो  
पक्षो के राजीनाम हो जाने के  
दुल वाड का निस्तारण हो जाने  
के इत पाठ्य के चलने का  
कोई आशय नहीं है मरः पाठ्य  
स्वाराज विद्य जाता है पत्रावली  
अवलमुदा हो कर तब के मर  
हो गया शामिल दुल वाड हो  
के